गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंडोस्कोपी विभाग

सीम्स में एंडोस्कोपी

सीम्स एंडोस्कोपी एक उन्नत अनुभाग है जो एंडोस्कोपी, मोनिटरींग और संक्रमण नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक उपकरणों से लैस है । अनुभवी गैस्ट्रोएंटरोलोजिस्ट, एन्डोस्कोपिस्ट, सर्जन, पल्मोनोलॉजिस्ट और एंडोस्कोपिक नर्सों की सेवाएं २४ घंटो के लिए होने से, सीम्स हॉस्पिटल मरीज़ो को समय पर एंडोसक्पोकि देख्रभाल, सुरक्षित और अनुकुल तरीके से देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

जानलेवा बीमारियों की देख्रभाल और उपचार के लिए तथा बीमारी के निदान या रोकथाम के लिए, हम दिन में २४ घंटे, सप्ताह में ७ दिन तीव्र देख्रभाल प्रदान करते है ।

सीम्स में एंडोस्कोपिक सेवाएं

- ओलिंपस १८० सीरीज से अत्याधुनिक एंडोस्कोप, उपरी पाचन तंत्र के रोगो के लिए गैस्ट्रोस्कोप यानि कि इसोफैगोस्कोपी (घुटकी के लिए), गैस्ट्रोस्कोपी (पेट के लिए), और इयूओडेनोस्कोपी (छोटी आंत के लिए)
- ओलिंपस १८० सीरीज के कोलोनोस्कोप का उपयोग बडी आंतो का यानि कि मलाशय से लेकर काएकुम तक और इलियम यानि लध्वान्त्र (आंत का निचला आधा भाग) के आख्ररी भाग तक का परीक्षण करने के लिए किया जाता है ।
- ईआरसीपी १८० सीरीज का उपयोग पित्त नली और अग्नाशयी नली से संबंधित असामान्यताओं या रोगो के निदान के लिए है ।
- पेट, छोटी आंतो, या बडी आंतो में से ट्यूमर जैसी गठानो (पोलिप) को निकालने के लिए।
- पित्त नली में से पथरी निकालने के लिए ।
- घुटकी, पित्त नली या अग्नाशयी नली में स्टेंट लगाने के लिए ।
- पाचन तंत्र के उपरी या निचले हिस्से में हुए गंभीर रक्तस्त्राव का इलाज करने के लिए।

डॉ. भावेश ठक्कर

एमडी (मेडिसिन), डीएनबी (गैस्ट्रो) (गोल्ड मेडालिस्ट)

गैस्ट्रो-इन्टेस्टिनल फिजिशियन

मोबाईल : +91-9727707214

ईमेल : bhavesh.thakkar@cims.org

डॉ. अभिनव जैन

एमडी (मेडिसिन), डीएनबी (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी) (गोल्ड मेडालिस्ट)

कन्सलटन्ट गैस्ट्रोएन्ट्रोलॉजीस्ट और हिपेटोलोजीस्ट

मोबाईल : +91-7666373288

ईमेल : abhinav.jain@cims.org

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : **+91-79-2772 1008**
मोबाईल : **+91-98250 66661** ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : **+91-98244 50000, 97234 50000**

सीम्स गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी और एन्डोस्कोपी

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी और एंडोस्कोपी

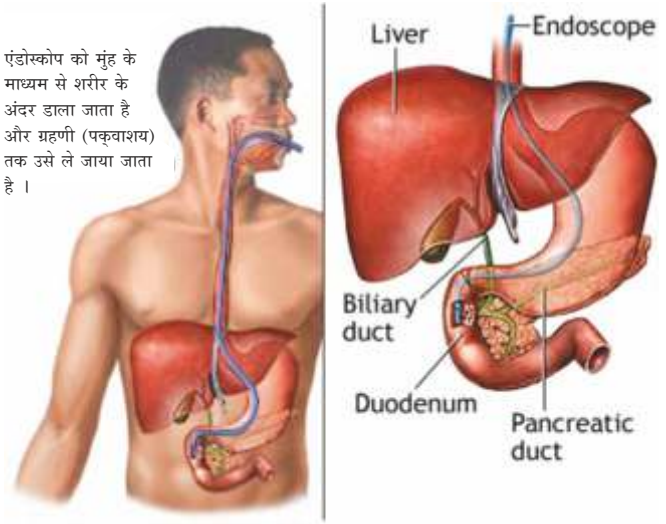

एंडोस्कोपी क्या है ?

शरीर के सामान्य या असामान्य छेद के माध्यम से शरीर के अंदर देखने की प्रक्रिया को एंडोस्कोपी कहा जाता है ।

एंडोस्कोपी क्यों की जाती है ?

एंडोस्कोपी एक गैर-शल्य चिकित्सा प्रक्रिया है यानि के बिना काट-पीट की जानेवाली प्रक्रिया, जिसका, पाचन तंत्र के उपरी और निचले भागो से, यानि के घुटकी, पेट, ग्रहणी (इयुओडेनम यानि छोटी आंत का पहला हिस्सा) या बडी आंत, इन अंगो से संबंधित रोगो के निदान के लिए, और अगर संभव हो तो इन रोगों के इलाज के लिए भी उपयोग किया जाता है ।

एंडोस्कोप के माध्यम से, पाचन तंत्र के जख्रम का निदान किया जा सकता है, उस जख्रम में से उत्तक का एक छोटा सा टुकडा बायोप्सी के लिए लिया जा सकता है, और यदि आवश्यक हो तो इलाज भी किया जा सकता है । इस प्रक्रिया के दौरान, पाचन तंत्र के अंदर की तस्वीरें कलर टीवी मोनीटर पर देखी जा सकती है ।

गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी और एंडोस्कोपी

सबसे आम तौर पर की जानेवाली तीन प्रकार की प्रक्रियाएं है :

कोलोनोस्कोपी (बृहदांत्र अंतरीक्षा)

इस प्रक्रिया में कोलोनोस्कोप को (कोलोनोस्कोपी में उपयोग किया जानेवाला एंडोस्कोप) मलाशय के माध्यम से शरीर में अंदर डाल कर, काएकुम (बडी आंत का प्रारंभिक भाग जो छोटी आंत से जुडा हुआ हो) तक ले जाया जाता है, ताकि पूरे बडी आंत के, यानि कि पाचन तंत्र के निचले हिस्से के भीतर देखा जा सके । अगर जरुरत पडे तो वहाँ भीतर से उतक का एक छोटा सा टुकडा बायोप्सी के लिए लिया जा सकता है और रोग का इलाज भी किया जा सकता है ।

अपर जीआई गैस्ट्रोस्कोपी

इस प्रक्रिया का उपयोग पाचनतंत्र (जीआई ट्रेक्ट) के उपरी भाग, यानि की घुटकी, पेट और ग्रहणी (इयुओडेनम यानि छोटी आंत का पहला हिस्सा) के भीतर देखने के लिए किया जाता है । इस अपर जीआई एंडोस्कोपिक जांच के दौरान, एंडोस्कोप को मुंह में से शरीर के अंदर डाला जाता है और फिर उसे घुटकी और पैट में सोते हुए छोटी आंत के पहले हिस्से तक, यानि ग्रहणी (इयूओडेनम) तक ले जाया जाता है, ताकि डॉक्टर इन सारे अंगो के भीतर देख सके ।

ई.आर.सी.पी. (एन्डोस्कोपिक रेट्रोग्रैड कोलेंजीओ पेन्क्रिएटोग्राम)

कोमन बाइल डक्ट यानि आम पित्त नली (पित्ताशय और जिगर में से निकलनेवाली पित्त नलियाँ जब एक नली बन जाती है वो नली), गोल ब्लेडर (पित्ताशय) और पेन्क्रियाज (अग्नाशय) में हुए घाव को देखने के लिए की जाती है यह परीक्षण प्रक्रिया ।

इस प्रक्रिया में, पित्त नली और अग्नाशयी नली में डाई डाली जाती है और कई सारे एक्स-रे लिए जाते है । बाईल डक्ट स्ट्रिक्चर (पित्त नली में असामान्य संकीर्णता) या पित्त नली, पित्ताशय या अग्नाशयी नली में पथरी जैसे रोगो का निदान एवं उनका इलाज उसी समय किया जाता है ।

असामान्य मामले

सामान्य मामले

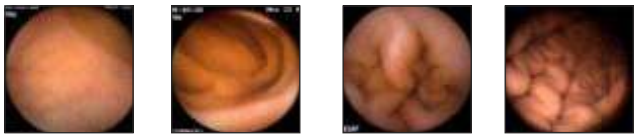

गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी और एंडोस्कोपी

एंडोस्कोपी निम्नलिखित परिस्थितियों के लिए की जाती है:

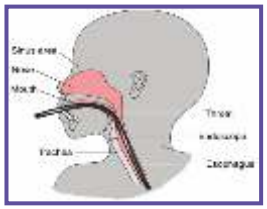

- मतली, उल्टी, पेट में दर्द, निगलने में तकलीफ और गैस्ट्रोइंटेस्टिनल ब्लीडिंग यानि जठरांत्र संबंधी रक्तस्त्राव (घुटकी, पेट या आंतो में रक्तस्त्राव) के कारणो का पता लगाने के लिए ।

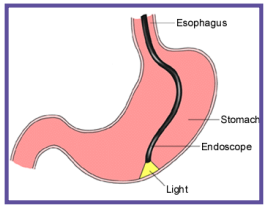

- एनीमिया (रक्ताल्पता), रक्तस्त्राव, शोथ और सूजन, दस्त औार पाचन तंत्र के कैंसर जैसी बीमारियों और समस्याओं का पता लगाने के लिए, बायोप्सी के लिए उत्तक का एक टुकडा लेने के लिए ।
- पाचन तंत्र से संबंधित कुछ परिस्थितियों का इलाज करने के लिए, जैसे घुटकी या पेट में रक्तस्त्राव, घुटकी के सिकुड जाने की वजह से निगलने में तकलीफ ।

- पेट और बडी आंतो में हुए पॉलिप को निकालने के लिए ।
- उपरी पाचन तंत्र में अटकी हुई बाहरी वस्तुओ को निकालने के लिए भी एंडोस्कोपी का उपयोग किया जा सकता है ।

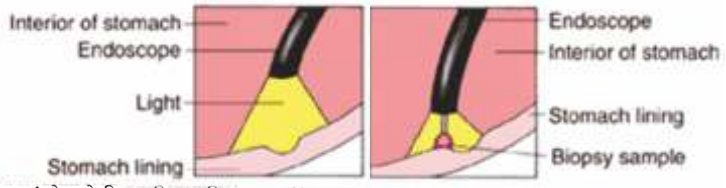

एंडोस्कोपी कभी-कभी अन्य प्राक्रियाआ, जस ाक अल्ट्रासाउन्ड (सानाग्राफा), क साथ किया जाता है । अलट्रासाउन्ड करने के लिए जिसका उपयोग किया जाता है उस ब्रोब को एंडोस्कोप के साथ लगा दिया जाता है ताकि घुटकी, पेट और हेपेटो बिलियरी, पेन्क्रिएटिक अंगो (पित्त नली, जिगर, पित्ताशय, अग्नाशय, अग्नाशयी नली और इनसे संबंधित अंगो) की भीतरी दीवार की विशिष्ट छवियों ली जा सके । एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउन्ड अग्नाशय और लोअर सीबीडी (कोमन बाईल डक्ट) यानि की आम पित्त नली के निचले हिस्से जैसे अंगो की विशेष छवियों को लेने में भी मदद करता है ।